This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **3018**

Unique Paper Code : **2051303** **F-5**

Name of the Paper : **Hindi Nibandh Evam Anya Gadya Vidhaien**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **III**

समय : **3 घंटे** पूर्णांक : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 9

धर्म के आचरण की प्राप्ति यदि ऊपरी आडम्बरों से होती, तो आजकल भारत-निवासी सूर्य के समान शुद्ध आचरण वाले हो जाते। भाई, माला से तो जप नहीं होता; गंगा नहाने से तो तप नहीं होता। पहाड़ों पर चढ़ने से प्राणायाम हुआ करता है; समुद्र में तैरने से नेती धुलती है; आंधी, पानी और साधारण जीवन के ऊँच-नीच, गर्मी-सर्दी, गरीबी-अमीरी को झेलने से तप हुआ करता है। आध्यात्मिक धर्म के स्वप्नों की शोभा तभी भली लगती है जब आदमी अपने जीवन का धर्म पालन करे। खुले समुद्र में अपने जहाज पर बैठकर ही समुद्र की आध्यात्मिक शोभा का विचार होता है। भूखे को तो चंद्र और सूर्य भी केवल आटे की बड़ी-बड़ी दो रोटियाँ-से प्रतीत होते हैं।

P.T.O.

अथवा

वैष्णव करोड़पति हैं। भगवान विष्णु का मंदिर। जायदाद लगी है। भगवान सूदखोरी करते हैं। ब्याज से कर्ज देते हैं। वैष्णव दो घंटे भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। फिर गादी-तकिएवाली बैठक में आकर धर्म से जोड़ते हैं। धर्म धंधे से जुड़ जाए, इसी को 'योग' कहते हैं। कर्ज लेनेवाले आते हैं। विष्णु भगवान के वे मुनीम हो जाते हैं। कर्ज लेनेवाले से दस्तावेज लिखवाते हैं—'दस्तावेज लिख दी रामलाल वल्द श्यामलाल ने भगवान विष्णु वल्द ना मालूम को ऐसा जो कि—वैष्णव बहुत दिनों से विष्णु की पिता के नाम की तलाश में हैं, पर वह मिल नहीं रहा। मिल जाए तो वल्दियत ठीक हो जाए। वैष्णव के पास नंबर दो का बहुत पैसा हो गया है। कई एजेंसियाँ ले रखी हैं। स्टाकिस्ट हैं। जब चाहें माल दबाकर 'ब्लैक' करने लगते हैं।

2. 'चटोरी जीभ के कारण मनुष्य मूढ़ बन मछली के समान जिह्वा के वश में पड़ नष्ट हो जाता है'—इस पंक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए इसके रचना-कौशल पर प्रकाश डालिए। 9

अथवा

'बातचीत में बेपनाह खिंचाव, आँखों में अजब सी चमक और होठों पर गहराईयों से फूटी मुस्कान'—इस पंक्ति के आधार पर अज्ञेय के व्यक्तित्व की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×14=42

(*i*) 'बदलता भारतीय समाज' निबंध की मूल संवेदना लिखिए।

(*ii*) 'लोभ और प्रीति' निबन्ध के आधार पर रामचंद्र शुक्ल की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

(*iii*) रामप्रसाद बिस्मिल की 'आत्मकथा' के आधार पर उनके जीवन संघर्षों पर प्रकाश डालिए।

(*iv*) आत्मकथा के तत्वों के आधार पर रामप्रसाद बिस्मिल की 'आत्मकथा' का मूल्यांकन कीजिए।

(*v*) 'शूल पाणेश्वर' का प्रतिपाद्य लिखिए।

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए : 8,7

(*i*) 'एक दुराशा' में शिवशंभु की चिंता

(*ii*) 'नए संघर्ष' में चित्रित निराला का जीवन संघर्ष

(*iii*) 'सुभान खां' में निहित संदेश

(*iv*) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' की संवेदना।